चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 04 जुलाई 2026, अंक –302.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

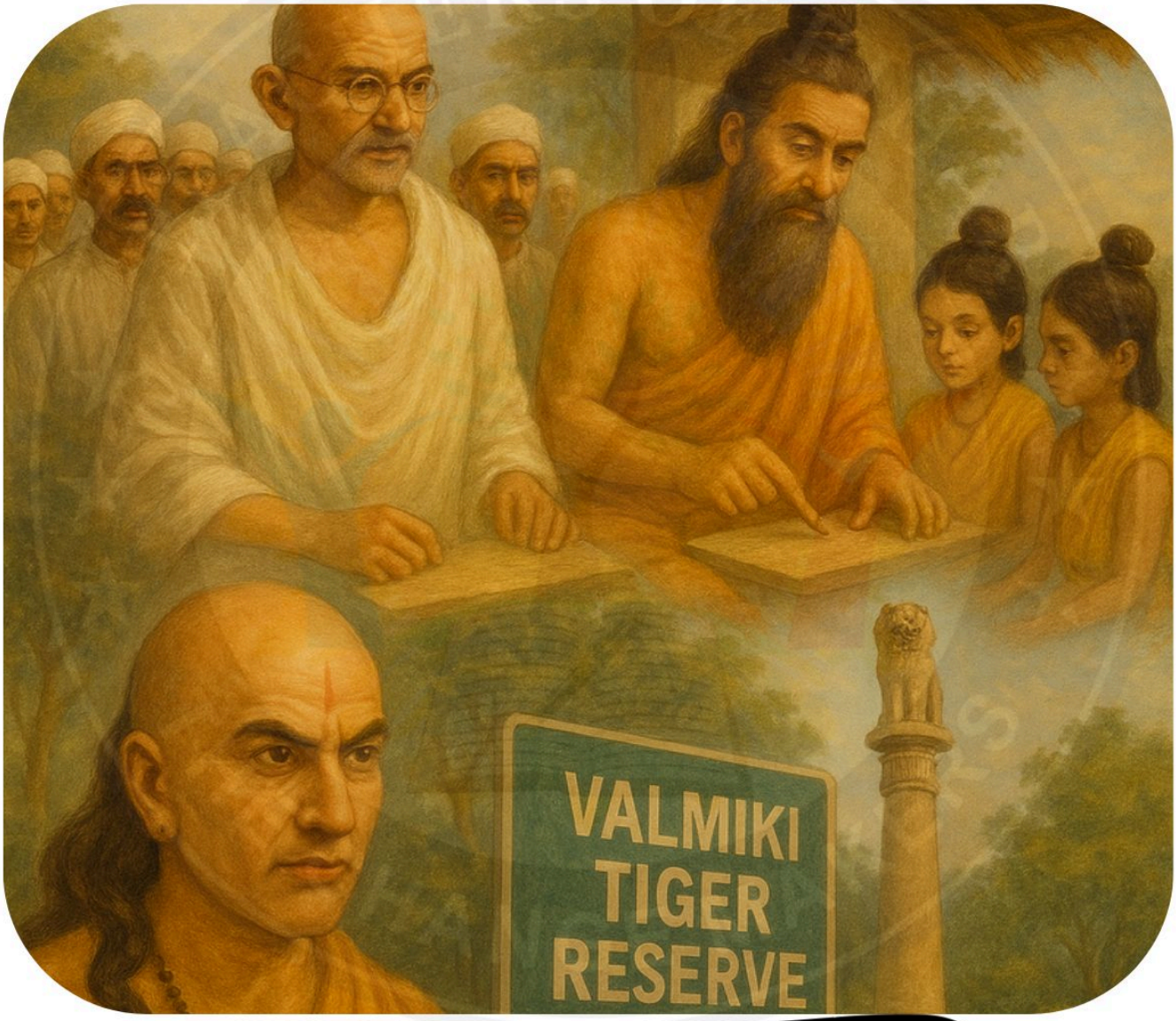

"दृढ़ इच्छाशक्ति के सामने पहाड़ भी झुक जाते हैं।"

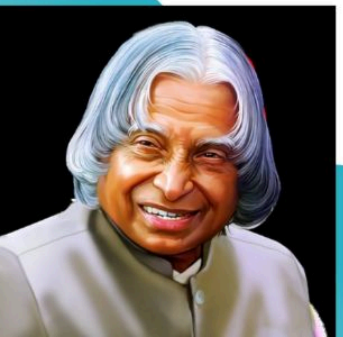

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Saturday Prayer

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. असम की राजधानी क्या है?
उत्तर: दिसपुर
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला राष्ट्रपति कौन थीं?
उत्तर: प्रतिभा पाटिल
प्रश्न 3. 'ओणम' किस राज्य का त्योहार है?
उत्तर: केरल
प्रश्न 4. 8 का घन क्या है?
उत्तर: 512
प्रश्न 5. नालंदा विश्वविद्यालय किस राज्य में था?
उत्तर: बिहार
प्रश्न 6. गिर राष्ट्रीय उद्यान किसके लिए प्रसिद्ध है?
उत्तर: सिंह
प्रश्न 7. रेडियो का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: मार्कोनी
प्रश्न 8. भारत का राष्ट्रीय ध्वज किसके द्वारा अपनाया गया था ?
उत्तर: संविधान सभा
प्रश्न 9. 'पृथ्वी' का पर्यायवाची क्या है?
उत्तर: धरती
प्रश्न 10. जल का ठोस रूप क्या है?
उत्तर: बर्फ

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Pond – (पॉन्ड) – तालाब
Lake – (लेक) – झील
Waterfall – (वॉटरफॉल) – जलप्रपात
Valley – (वैली) – घाटी
Hill – (हिल) – पहाड़ी
Rock – (रॉक) – चट्टान
Soil – (सॉयल) – मिट्टी

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

क्या वह पढ़ सकता है? – Can he read?

क्या वह लिख सकता है? – Can he write?
क्या वह खेल सकता है? – Can he play?
क्या वह गा सकता है? – Can he sing?
क्या वह अंग्रेज़ी बोल सकता है? – Can he speak English?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 4 जुलाई को संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) का "स्वतंत्रता दिवस" मनाया जाता है — किस वर्ष अमेरिका ने ब्रिटेन से स्वतंत्रता की घोषणा की और इस घोषणापत्र का प्रमुख प्रारूपकार कौन था?
उत्तर: 1776; थॉमस जेफ़रसन
व्याख्या: 4 जुलाई 1776 को अमेरिका की 13 मूल उपनिवेशों ने ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता की घोषणा की। "स्वतंत्रता की घोषणा" (Declaration of Independence) का प्रमुख प्रारूपकार थॉमस जेफ़रसन थे जो बाद में अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति बने। इसमें "सभी मनुष्य समान पैदा हुए हैं" का ऐतिहासिक वाक्य था। जॉर्ज वॉशिंगटन क्रांतिकारी युद्ध के सेनापति और प्रथम राष्ट्रपति थे। यह घटना आधुनिक लोकतांत्रिक आंदोलनों की प्रेरणा बनी तथा फ्रांसीसी क्रांति (1789) और भारत सहित अनेक देशों के स्वतंत्रता संघर्षों पर इसका प्रभाव पड़ा। UPSC GS-I के विश्व इतिहास खंड में यह अत्यंत महत्वपूर्ण घटना है।
संदर्भ: NCERT History Class 9, Ch 1 The French Revolution — background of American Revolution, p. 5; NCERT Class 10 History, Ch 1 Rise of Nationalism; Britannica — Declaration

प्र.2. 1-3 जुलाई 2026 को आयोजित 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में दोनों देशों ने कितने MoU पर हस्ताक्षर किए और जापानी प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची जापान की किस क्रम की प्रथम महिला प्रधानमंत्री हैं?
उत्तर: 129 MoU; प्रथम
व्याख्या: जापानी प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची की 1-3 जुलाई 2026 की भारत यात्रा के दौरान 16वाँ भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में संपन्न हुआ। इसमें AI, रक्षा, अर्धचालक, स्वच्छ ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स और समुद्री सुरक्षा सहित 129 MoU पर हस्ताक्षर हुए। ताकाइची जापान की प्रथम महिला प्रधानमंत्री हैं। दोनों देशों ने "मुक्त और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत" को साझा प्राथमिकता बताया और पहला संयुक्त रक्षा सह-विकास (Co-development) समझौता भी किया। अगले दशक में जापान से 10 लाख करोड़ येन (लगभग 62 अरब USD) निवेश का लक्ष्य रखा गया। भारत-जापान वार्षिक शिखर तंत्र 2006 में स्थापित किया गया था।
संदर्भ: The Tribune, India-Japan Summit, 3 July 2026; sanskritiias.com India-Japan Summit 2026;

प्र.3. "इंडिया विन्स फ्रीडम" (India Wins Freedom) पुस्तक के लेखक कौन हैं, जो भारत विभाजन की आंतरिक राजनीति का वर्णन करती है?
उत्तर: मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
व्याख्या: "इंडिया विन्स फ्रीडम" (India Wins Freedom, 1959) मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की आत्मकथा एवं ऐतिहासिक संस्मरण है जिसमें उन्होंने भारत की स्वतंत्रता, विभाजन की पीड़ा और कांग्रेस नेतृत्व की आंतरिक गतिविधियों का जीवंत विवरण प्रस्तुत किया है। आज़ाद 1940-1946 तक INC के अध्यक्ष रहे और विभाजन के घोर विरोधी थे। वे स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री बने और IIT तथा UGC की स्थापना में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। उनका जन्मदिन 11 नवंबर को "राष्ट्रीय शिक्षा दिवस" के रूप में मनाया जाता है। यह पुस्तक UPSC GS-I के आधुनिक इतिहास खंड के लिए संदर्भ स्रोत मानी जाती है।
संदर्भ: मौलाना अबुल कलाम आज़ाद — "India Wins Freedom", Orient Longman, 1959; NCERT

प्र.4. "अम्ल वर्षा" (Acid Rain) किन गैसों के कारण होती है और यह किस प्रकार पर्यावरण एवं ऐतिहासिक स्मारकों को नुकसान पहुँचाती है?
उत्तर: SO_2 और NO_2
व्याख्या: अम्ल वर्षा (Acid Rain) मुख्यतः सल्फर डाइऑक्साइड (SO_2) और नाइट्रोजन ऑक्साइड (NO_2) गैसों के वायुमंडल में मिलने से होती है। ये गैसें कोयले और पेट्रोलियम के दहन, उद्योगों और वाहनों से निकलती हैं। वायुमंडल में जल से मिलकर ये गैसें सल्फ्यूरिक अम्ल (H_2SO_4) और नाइट्रिक अम्ल (HNO_3) बनाती हैं जो वर्षा के साथ गिरती हैं। अम्ल वर्षा से मिट्टी की उर्वरता घटती है, झीलें और नदियाँ अम्लीय हो जाती हैं, जलीय जीव नष्ट होते हैं तथा संगमरमर और चूना-पत्थर से बने ऐतिहासिक स्मारक (जैसे ताजमहल) क्षतिग्रस्त होते हैं। इस प्रक्रिया को "स्टोन कैंसर" (Stone Cancer) भी कहते हैं।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 2 Acids Bases and Salts, p. 19;

प्र.5. भारत के संविधान सभा में "उद्देश्य प्रस्ताव" (Objectives Resolution) किसने प्रस्तुत किया था, जो बाद में संविधान की प्रस्तावना (Preamble) का आधार बना?
उत्तर: जवाहरलाल नेहरू
व्याख्या: जवाहरलाल नेहरू ने 13 दिसंबर 1946 को संविधान सभा में "उद्देश्य प्रस्ताव" (Objectives Resolution) प्रस्तुत किया, जिसे 22 जनवरी 1947 को पारित किया गया। इसी प्रस्ताव के आधार पर संविधान की प्रस्तावना (Preamble) तैयार की गई जिसमें भारत को "प्रभुसत्ता-सम्पन्न, लोकतंत्रात्मक गणराज्य" घोषित किया गया। 42वें संविधान संशोधन (1976) द्वारा प्रस्तावना में "समाजवादी", "पंथनिरपेक्ष" और "अखंडता" शब्द जोड़े गए। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद थे और प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर थे। संविधान 26 नवंबर 1949 को अंगीकृत तथा 26 जनवरी 1950 को प्रभावी हुआ।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 11 — Indian Constitution at Work, Ch 1 Constitution: Why and How, p. 5–8;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. भारत में "मालाबार तट" (Malabar Coast) किस राज्य के पश्चिमी तटीय क्षेत्र को कहते हैं जो मसालों के व्यापार के लिए ऐतिहासिक रूप से विख्यात रहा है?
उत्तर: केरल
व्याख्या: मालाबार तट भारत के केरल राज्य के उत्तरी एवं मध्य पश्चिमी तट को कहा जाता है। यह तट अरब सागर के किनारे स्थित है और प्राचीन काल से काली मिर्च, इलायची, दालचीनी जैसे मसालों के व्यापार का वैश्विक केंद्र रहा है। वास्को द गामा 1498 में कालीकट (कोझिकोड) पहुँचा था, जो इसी तट पर स्थित है। यह व्यापारिक मार्ग पुर्तगाल, अरब और चीनी व्यापारियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण था। MALABAR (नौसैनिक युद्धाभ्यास) का नाम भी इसी ऐतिहासिक तट के नाम पर है। केरल में लक्षद्वीप सागर तथा पश्चिमी घाट के बीच स्थित यह तट "भारत का मसाला बाग" कहलाता है।
संदर्भ: NCERT History Class 7, Ch 6 New Kings and Kingdoms — Trade and Towns, p. 72;

प्र.7. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 में नागरिकों को कितने मूल स्वतंत्रताएँ (Freedoms) दी गई हैं, और इनमें से "भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता" किस उपखंड में है?
उत्तर: छह; अनुच्छेद 19(1)(a)
व्याख्या: भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 भारतीय नागरिकों को छह मूल स्वतंत्रताएँ प्रदान करता है: (a) वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, (b) शांतिपूर्वक और निरायुध सम्मेलन की स्वतंत्रता, (c) संगम बनाने की स्वतंत्रता, (d) भारत के राज्य क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से भ्रमण की स्वतंत्रता, (e) भारत के किसी भी भाग में निवास की स्वतंत्रता, (g) वृत्ति, व्यापार एवं कारोबार की स्वतंत्रता। मूलतः 7 स्वतंत्रताएँ थीं, किंतु 44वें संविधान संशोधन (1978) द्वारा संपत्ति अर्जित करने की स्वतंत्रता हटा दी गई। प्रेस की स्वतंत्रता 19(1)(a) के अंतर्गत ही निहित मानी जाती है।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 9, Ch 5 Democratic Rights, p. 89–91;

प्र.8. "डीएनए" (DNA) की द्विकुंडलित (Double Helix) संरचना की खोज किन दो वैज्ञानिकों ने 1953 में की थी?
उत्तर: जेम्स वॉटसन और फ्रांसिस क्रिक
व्याख्या: जेम्स वॉटसन (अमेरिका) और फ्रांसिस क्रिक (ब्रिटेन) ने 1953 में DNA की द्विकुंडलित (Double Helix) संरचना की खोज की। इसके लिए उन्हें 1962 में चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार मिला। रोज़ालिंड फ्रैंकलिन के X-ray विवर्तन चित्रों ने इस खोज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिनका श्रेय उन्हें उस समय उचित रूप से नहीं मिल सका। DNA (डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक अम्ल) में चार नाइट्रोजनी क्षार होते हैं — एडेनिन (A), थाइमिन (T), ग्वानिन (G) और साइटोसिन (C)। A सदैव T के साथ और G सदैव C के साथ युग्मित होता है — यह "चारगाफ का नियम" है। DNA आनुवंशिक सूचनाओं का भंडार है।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 6 Molecular Basis of Inheritance, p. 107–110;

प्र.9. असम का "बिहू" नृत्य तीन प्रकार का होता है — "रोंगाली बिहू" (बोहाग), "भोगाली बिहू" (माघ) और "कोंगाली बिहू" (काटी) — इनमें से "रोंगाली बिहू" किस ऋतु का उत्सव है?
उत्तर: वसंत ऋतु (नव वर्ष)
व्याख्या: बिहू असम का सर्वप्रमुख लोक उत्सव और नृत्य है जो तीन रूपों में मनाया जाता है। "रोंगाली बिहू" (बोहाग बिहू) अप्रैल में वसंत ऋतु में असमिया नव वर्ष के अवसर पर मनाया जाता है और कृषि चक्र के आरंभ का प्रतीक है। यह तीनों में सबसे उल्लासपूर्ण होता है। "भोगाली बिहू" (माघ बिहू) जनवरी में फसल कटाई के उत्सव के रूप में तथा "कोंगाली बिहू" (काटी बिहू) अक्टूबर में खेतों में अन्न न होने की दुर्भिक्ष स्थिति में दीप जलाकर मनाया जाता है। बिहू नृत्य में "ढोल", "ताल", "पेपा" (भैंस के सींग से बनी बाँसुरी) का उपयोग होता है। 2024 में UNESCO ने बिहू को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में सम्मिलित किया।
संदर्भ: NCERT Social Science Class 7, Cultural Diversity;

प्र.10. बिहार में गंडक नदी पर निर्मित कौन सी बहुद्देशीय परियोजना नेपाल और भारत के मध्य संयुक्त रूप से विकसित की गई है और पश्चिम चंपारण क्षेत्र की सिंचाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है?
उत्तर: गंडक परियोजना
व्याख्या: गंडक परियोजना (Gandak Project) भारत और नेपाल द्वारा संयुक्त रूप से विकसित एक महत्वपूर्ण बहुद्देशीय सिंचाई-जल विद्युत परियोजना है। गंडक नदी पर त्रिवेणी (पश्चिम चंपारण) में बैराज बनाया गया है, जहाँ से नहरों के माध्यम से बिहार के उत्तर-पश्चिमी जिलों — पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर — में सिंचाई होती है। भारत-नेपाल गंडक समझौता 1959 में हस्ताक्षरित हुआ था। गंडक नदी को "नारायणी" भी कहते हैं और यह नेपाल की हिमालयी नदी है। यह परियोजना चंपारण की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए जीवन-रेखा मानी जाती है।
संदर्भ: Bihar Water Resources Department; NCERT Geography Class 9, Ch 3 Drainage; India-Nepal Gandak Treaty 1959;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के जुलाई माह के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, विद्यालय में बाढ़ की स्थिति में "ऊँचाई पर शरण लेना" (Vertical Evacuation) क्यों महत्वपूर्ण है और इसके लिए विद्यालय को पहले से क्या तैयारी करनी चाहिए?

उत्तर: ऊपरी मंजिल पर शरण; पूर्व-चिह्नित आश्रय

व्याख्या: BSDMA के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल (जुलाई W2-W3) के अनुसार, जब बाढ़ इतनी तीव्र हो कि विद्यालय परिसर से बाहर निकलना संभव न हो, तो "ऊँचाई पर शरण लेना" (Vertical Evacuation) एकमात्र सुरक्षित विकल्प बनता है। विद्यालय को पूर्व से ही (1) बहुमंजिली इमारत की ऊपरी मंजिल पर आश्रय स्थल चिह्नित करना चाहिए, (2) वहाँ पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा किट, टॉर्च और सीटी रखनी चाहिए, (3) बच्चों और शिक्षकों को इस योजना का अभ्यास कराना चाहिए। उत्तर बिहार के एकल-मंजिली विद्यालयों को पड़ोस में उच्च भवन चिह्नित करना चाहिए। बाढ़ के समय तार्किक और पूर्व-नियोजित निर्णय जीवन बचाता है।

संदर्भ: BSDMA Flood Safety Module, Vidyalaya Suraksha Karyakram July W2–W3; bsdma.org; Bihar Flood Disaster Management SOP 2025; NDMA Guidelines on Vertical Evacuation.

प्र.12. एक रेलगाड़ी 60 किमी/घंटा की चाल से चलती है और 120 मीटर लंबे पुल को पार करने में 12 सेकंड लेती है। रेलगाड़ी की लंबाई कितनी है?

उत्तर: 80 मीटर

व्याख्या: रेलगाड़ी की चाल = 60 किमी/घंटा = 60 × (1000/3600) = 50/3 मीटर/सेकंड। पुल पार करने में दूरी = चाल × समय = (50/3) × 12 = 200 मीटर। यह दूरी = रेलगाड़ी की लंबाई + पुल की लंबाई। अतः रेलगाड़ी की लंबाई = 200 − 120 = 80 मीटर। यह "ट्रेन और पुल" प्रकार का प्रश्न SSC, Railway Group D, BPSC और अन्य सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में अत्यंत प्रचलित है। यहाँ किमी/घंटा को मीटर/सेकंड में बदलने का सूत्र: × 5/18 का अभ्यास आवश्यक है।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 8 Comparing Quantities — Speed Distance Time; Quantitative Aptitude — R.S. Aggarwal, Ch Trains; SCERT Bihar Mental Math Series.

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

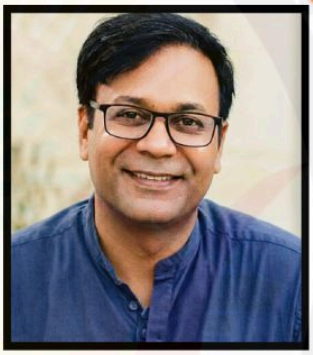

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Lucid (लूसिड) = Clear (क्लियर) = स्पष्ट / सुबोध
Antonym – Obscure (ऑब्स्क्योर) = अस्पष्ट

Meticulous (मेटिक्युलस) = Thorough (थरो) = अत्यंत सावधानीपूर्वक / सूक्ष्मता से कार्य करने वाला
Antonym – Negligent (नेग्लिजेंट) = लापरवाह

Nonchalant (नॉनशालेंट) = Unconcerned (अनकन्सर्न्ड) = बेपरवाह / निश्चिंत
Antonym – Anxious (एंग्शस) = चिंतित

Ostentatious (ऑस्टेनटेशस) = Showy (शोई) = दिखावटी
Antonym – Modest (मॉडेस्ट) = विनम्र / सादगीपूर्ण

Pristine (प्रिस्टीन) = Spotless (स्पॉटलेस) = बिल्कुल स्वच्छ / मूल रूप में
Antonym – Tarnished (टार्निश्ड) = मलिन / दागदार

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government launches 'Project Bharat-BioGrid'; Ministry of Science & Technology connects 100 premier labs for real-time DNA data sharing.
केंद्र सरकार ने 'प्रोजेक्ट भारत-बायोग्रिड' की शुरुआत की; देश में संक्रामक बीमारियों की त्वरित पहचान और उन्नत जैव-तकनीकी शोध के लिए 100 शीर्ष प्रयोगशालाओं को एक सुरक्षित, हाई-स्पीड डेटा नेटवर्क से जोड़ा गया है।

Ministry of Power mandates 'Smart-Storage Systems' for all new solar parks above 50MW to ensure baseline grid stability.
ऊर्जा मंत्रालय ने एक नया नीतिगत निर्देश जारी किया; ग्रिड की स्थिरता बनाए रखने और बिजली की बर्बादी रोकने के लिए अब 50 मेगावाट से अधिक क्षमता वाले सभी नए सौर पार्कों में 'अत्याधुनिक स्मार्ट-बैटरी स्टोरेज' प्रणाली लगाना अनिवार्य होगा।

ISRO successfully tests 'Deep-Space Optical Communication' (DSOC) link; achieves 10x faster data transmission from Mars Orbiter.
इसरो ने 'डीप-स्पेस ऑप्टिकल कम्युनिकेशन' (लेजर-आधारित संचार) का सफल परीक्षण किया; इसके जरिए मंगलयान (Mars Orbiter) से डेटा और उच्च-गुणवत्ता वाली तस्वीरें भेजने की गति में 10 गुना तक की वृद्धि दर्ज की गई है।

INTERNATIONAL NEWS

UN Security Council adopts 'The Global Cryosphere Protection Accord' to strictly regulate industrial activity near melting glaciers.
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'वैश्विक क्रायोस्फीयर (बर्फबारी क्षेत्र) संरक्षण समझौता' पारित किया; ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव को देखते हुए ध्रुवीय क्षेत्रों और पर्वतीय ग्लेशियरों के आसपास नए औद्योगिक और वाणिज्यिक खनन पर कड़े प्रतिबंध लागू किए गए।

BBC News: MIT researchers successfully synthesize 'Artificial Leaf 2.0' that extracts hydrogen directly from atmospheric humidity.
बीबीसी न्यूज़: एमआईटी के वैज्ञानिकों ने 'कृत्रिम पत्ती 2.0' विकसित करने में सफलता पाई; यह उन्नत तकनीक बिना पानी के स्रोत के, केवल हवा में मौजूद नमी (Humidity) और सूर्य के प्रकाश की मदद से सीधे शुद्ध हाइड्रोजन ईंधन तैयार कर सकती है।

WHO issues global alert on 'Digital Fatigue Syndrome'; releases workplace guidelines to counter mental strain from prolonged AI-tool usage.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 'डिजिटल फटीग सिंड्रोम' को लेकर वैश्विक स्वास्थ्य चेतावनी जारी की; एआई और तकनीकी उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले मानसिक तनाव को कम करने के लिए कंपनियों के लिए नए कार्यस्थल मानक तय किए।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish the state's first 'Advanced Agri-Tech Drone Incubation Centre' in Purnia.
बिहार सरकार पूर्णिया में राज्य का पहला 'उन्नत एग्री-टेक ड्रोन इनक्यूबेशन केंद्र' स्थापित करेगी; इसके तहत स्थानीय स्टार्टअप्स को कृषि सर्वेक्षण और कीटनाशक छिड़काव वाले ड्रोनों के निर्माण व परीक्षण के लिए मुफ्त तकनीकी सहायता और सब्सिडी दी जाएगी।

SCERT Bihar launches 'Vigyan-Darpan 3.0'; deploys 50 high-tech mobile planetariums to cover rural middle schools across Seemanchal.
एससीईआरटी बिहार ने 'विज्ञान-दर्पण 3.0' कार्यक्रम की शुरुआत की; इसके तहत सीमांचल क्षेत्र के ग्रामीण स्कूलों के लिए 50 मोबाइल तारामंडल वैन तैनात की गई हैं, जो बच्चों को खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष विज्ञान का व्यावहारिक अनुभव देंगी।

SPORTS NEWS

Indian Grandmaster D Gukesh wins the 'Prague Chess Festival 2026' Master's Title; clean sweeps the tournament undefeated.
भारतीय शतरंज स्टार डी गुकेश ने प्राग चेस फेस्टिवल 2026 का प्रतिष्ठित मास्टर्स खिताब अपने नाम किया; उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच हारे बिना यह ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

International Tennis Federation (ITF) introduces 'Smart-Insole Biometrics' for junior championships to analyze player footwork and pressure angles.
अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ ने जूनियर प्रतियोगिताओं के लिए 'स्मार्ट-इनसोल बायोमेट्रिक्स' (जूतों के विशेष सेंसर) तकनीक को मंजूरी दी; यह तकनीक मैच के दौरान खिलाड़ियों के पैरों के मूवमेंट और दबाव के कोणों का लाइव डेटा कोचों को भेजेगी ताकि चोटों से बचा जा सके।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"समाचार केवल घटनाओं का विवरण नहीं, बल्कि भविष्य की तैयारियों का आधार हैं।

प्रतिदिन पढ़ें, निरंतर अपडेट रहें।"

अनुभाग-6

प्रेरक बाल एकांकी

"सुरक्षा की सीख"

(सुरक्षित शनिवार : विद्यालय सुरक्षा पखवाड़ा विशेष)

पात्र: शिक्षक, अंश, आमना, प्रियांशु, अन्य छात्र

(दृश्य: विद्यालय का प्रांगण। सुरक्षित शनिवार के अवसर पर सभी बच्चे एकत्र हैं। शिक्षक बच्चों को बाढ़ एवं जलजमाव से बचाव के बारे में जानकारी दे रहे हैं।*)*

शिक्षक: बच्चों! आज सुरक्षित शनिवार है। इस सप्ताह हम विद्यालय सुरक्षा पखवाड़ा मना रहे हैं। बरसात का मौसम शुरू हो गया है। हमारे क्षेत्र में कई जगह बाढ़ और जलजमाव की स्थिति बन जाती है। ऐसी परिस्थिति में घबराना नहीं, बल्कि सही जानकारी और सावधानी ही हमारी सबसे बड़ी सुरक्षा है।

अंश: सर, अगर स्कूल आते समय रास्ते में पानी भर जाए तो हमें क्या करना चाहिए?

शिक्षक: बहुत अच्छा प्रश्न। बच्चों, कभी भी तेज़ बहते पानी को पार करने की कोशिश मत करना। यदि रास्ता सुरक्षित न लगे, तो तुरंत अपने अभिभावक या शिक्षक को सूचना दो और सुरक्षित स्थान पर रुको।

आमना: सर, पानी भरा हो तो और किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

शिक्षक: याद रखो— बिजली के खंभों, टूटे तारों और खुले स्विच बोर्ड से दूर रहो। गहरे पानी में कभी मत उतरना। केवल साफ़ या उबला हुआ पानी ही पीना। अफवाहों पर नहीं, प्रशासन की सही जानकारी पर भरोसा करना।

प्रियांशु: सर, अगर किसी को मदद की ज़रूरत हो तो?

शिक्षक: बहुत अच्छा! सबसे पहले किसी बड़े व्यक्ति या शिक्षक को सूचना दो। छोटे बच्चों, बुज़ुर्गों और दिव्यांगों की सहायता करना हमारा कर्तव्य है, लेकिन अपनी जान जोखिम में डालकर नहीं।

अंश: अब समझ गया सर, बहादुरी का मतलब खतरे में कूदना नहीं, बल्कि समझदारी से काम लेना है।

शिक्षक: बिल्कुल! याद रखो—सतर्कता, तैयारी और सहयोग ही आपदा से बचाव के सबसे बड़े हथियार हैं।

सभी बच्चे (एक साथ हाथ उठाकर):

"हम सुरक्षित रहेंगे, दूसरों को भी जागरूक करेंगे।
सावधानी अपनाएँगे, बाढ़ से हर जीवन बचाएँगे!"

शिक्षक (समापन): बच्चों, आपदा आने से पहले की गई तैयारी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। आइए, आज हम सभी संकल्प लें कि स्वयं भी सुरक्षित रहेंगे और अपने परिवार तथा समाज को भी सुरक्षित रहने के लिए प्रेरित करेंगे।

सभी (एक स्वर में): "सुरक्षा सबकी – जिम्मेदारी हमारी!"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

शिक्षण तकनीकें और TLM — कम लागत में शिक्षण को जीवंत बनाना

शिक्षक साथियों, एक आम धारणा है कि एक बेहतरीन और आधुनिक कक्षा के लिए बहुत महंगे उपकरणों, स्मार्ट बोर्ड या सजे-धजाए कमरों की जरूरत होती है। लेकिन प्राथमिक और उच्च-प्राथमिक स्तर पर शिक्षा का असली जादू महंगे संसाधनों में नहीं, बल्कि शिक्षक की रचनात्मकता में छिपा होता है। TLM (शिक्षण अधिगम सामग्री) का अर्थ बाजार से खरीदे गए प्लास्टिक के खिलौने नहीं हैं, बल्कि इसका असली अर्थ है—हमारे आस-पास उपलब्ध स्थानीय, सहज और शून्य-लागत सामग्री, जिसे हम 'कबाड़ से जुगाड़' (Low-Cost / No-Cost TLM) कहते हैं।

मनोविज्ञान और NCF 2023 के मानक स्पष्ट कहते हैं कि प्राथमिक स्तर पर बच्चे अमूर्त (Abstract) विचारों को सीधे नहीं समझ सकते। उन्हें अवधारणाओं को छूने, देखने और उनके साथ हेरफेर करने की आवश्यकता होती है। जब हम किसी पाठ को पढ़ाते समय एक साधारण, हाथ से बने TLM का उपयोग करते हैं, तो वह पाठ केवल आँखों और कानों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि बच्चों के अनुभवों में उतर जाता है। एक कुशल शिक्षक केवल TLM दिखाता नहीं है, बल्कि बच्चों को उसे बनाने और इस्तेमाल करने की प्रक्रिया में शामिल करता है।

उदाहरण:

आइए इसे गणितीय अवधारणाओं जैसे— 'स्थानीय मान' (Place Value) और 'हासिल का जोड़' सिखाने के एक बेहद सरल और शून्य-लागत उदाहरण से समझते हैं।

- पारंपरिक तरीका: शिक्षक ब्लैकबोर्ड पर इकाई, दहाई, सैकड़ा लिखकर संख्याओं को नीचे लिख दे और बच्चों को सीधे जोड़ना सिखाए। कई बच्चे यह नहीं समझ पाते कि हासिल वाली संख्या दहाई के पास क्यों चली गई।
- TLM तकनीक (कबाड़ से जुगाड़): आप स्कूल में पड़ी पुरानी माचिस की तीलियां और रबर बैंड इकट्ठा करते हैं। आप बच्चों को सिखाते हैं कि 1 अकेली तीली का मतलब है 1 इकाई। जब 10 तीलियां इकट्ठी हो जाती हैं, तो हम उसका रबर बैंड से एक बंडल बना देते हैं, जिसका मतलब है 1 दहाई।

अब यदि बच्चों को 15 + 7 जोड़ना है, तो वे पहले 1 बंडल और 5 खुली तीलियां (15) रखेंगे, फिर उसमें 7 खुली तीलियां और मिलाएंगे। जब वे खुली तीलियों को गिनेंगे, तो वे 12 हो जाएंगी। नियम के मुताबिक, जैसे ही 10 खुली तीलियां होंगी, बच्चे खुद उनका एक नया बंडल (दहाई) बना देंगे और उसे बंडलों वाले घर में भेज देंगे। अब बाहर केवल 2 खुली तीलियां (इकाई) बचेंगी और कुल 2 बंडल (दहाई) हो जाएंगे। उत्तर अपने आप सामने आ जाएगा— 22।

यहाँ माचिस की तीलियों ने गणित के उस अमूर्त नियम को बच्चों के हाथों का एक प्रत्यक्ष अनुभव बना दिया। इसके लिए किसी सरकारी फंड या महंगी किट की प्रतीक्षा करने की आवश्यकता नहीं पड़ी।

शिक्षक साथियों, TLM का उपयोग करते समय तीन मुख्य बातें हमेशा ध्यान में रखनी चाहिए:

1. सहजता: सामग्री ऐसी हो जो बच्चों के लिए जानी-पहचानी हो (जैसे- कंकड़, पत्तियां, पुरानी चूड़ियां, गत्ते के डिब्बे, अखबार)।
2. सक्रियता: TLM केवल शिक्षक के हाथ की शोभा न बढ़ाए, बल्कि बच्चे उसे खुद छूकर और बदलकर देख सकें।
3. सुरक्षा: उपयोग की जाने वाली सामग्री पूरी तरह से सुरक्षित हो, उसमें कोई नुकीली या हानिकारक चीज़ न हो।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि एक शिक्षक की सबसे बड़ी तकनीक उसकी कल्पनाशीलता है। जब हम अपनी कक्षा में कबाड़ को ज्ञान के साधन में बदल देते हैं, तो हम बच्चों को संसाधनहीनता में भी नवाचार (Innovation) करने का सबसे बड़ा जीवन-पाठ पढ़ा रहे होते हैं। आज चिंतन कीजिएगा कि आपके आस-पास ऐसी कौन सी बेकार वस्तु पड़ी है, जिसे आप कल की कक्षा में एक शानदार शिक्षण टूल बना सकते हैं?

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर

बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : समस्तीपुर, अंक–2"

समस्तीपुर: मिथिला का प्रवेश द्वार, बूढ़ी गंडक की गाद और विशिष्ट जलीय भूगोल

'संपादकीय' ✍️

भौगोलिक, प्रशासनिक और रणनीतिक दृष्टि से समस्तीपुर केवल एक जिला नहीं, बल्कि संपूर्ण उत्तर बिहार का कृषि-वैज्ञानिक तंत्रिका केंद्र (Agricultural-Scientific Hub) और रेलवे परिवहन की धुरी है। वर्ष 1972 में दरभंगा से अलग होकर स्वतंत्र अस्तित्व में आया यह जिला मिथिलांचल के दक्षिणी छोर पर स्थित है। इसकी सीमाएं उत्तर में दरभंगा, पूर्व में बेगुसराय और खगड़िया, दक्षिण में पवित्र गंगा नदी के पार पटना और वैशाली तथा पश्चिम में मुजफ्फरपुर को स्पर्श करती हैं। यह केंद्रीय भौगोलिक अवस्थिति समस्तीपुर को उत्तर और दक्षिण बिहार के रेल व सड़क परिवहन का एक अपरिहार्य चौराहा बनाती है, जहाँ से राज्य की बड़ी आबादी की आर्थिक धड़कनें नियंत्रित होती हैं।

इस जिले का संपूर्ण धरातल बूढ़ी गंडक, बागमती, करह, बलान और गंगा जैसी शक्तिशाली नदियों के जलीय संजाल से निर्मित हुआ है। जिले के बीचों-बीच बलखाती हुई बहने वाली बूढ़ी गंडक यहाँ के भू-भाग को दो स्पष्ट हिस्सों में विभाजित करती है और अपने साथ प्रचुर मात्रा में अत्यंत उपजाऊ जलोढ़ (Alluvial) मिट्टी लेकर आती है। यहाँ की मिट्टी मुख्य रूप से 'बलसुंदरी' (चूना-युक्त दोमट) और 'खादर' (नवीन जलोढ़) का एक बेहतरीन मिश्रण है। भू-वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यह मिट्टी फॉस्फोरस और पोटेशियम से समृद्ध है, जो इसे बिना किसी अत्यधिक रासायनिक उर्वरक के भी बहु-फसली चक्र—विशेष रूप से रबी और नकदी फसलों—के लिए बिहार की सबसे मुफीद ज़मीन बनाती है।

इस मैदानी भूगोल की सबसे अनूठी स्थानीय पारिस्थितिकी यहाँ पाए जाने वाले विशाल 'चौर' (Wetlands) हैं, जिनमें शिवाजीनगर चौर, सिंघिया चौर और हसनपुर-बिथान बेल्ट के विस्तृत चौर प्रमुख हैं। मानसून के महीनों में ये चौर बाढ़ के अतिरिक्त पानी को सोखने वाले प्राकृतिक बेसिन का कार्य करते हैं। जल प्रबंधन की इस अनूठी भौगोलिक स्थिति के कारण समस्तीपुर को 'उत्तर बिहार का अन्न भंडार' कहा जाता है। यहाँ की जलवायु उप-उष्णकटिबंधीय नम मानसूनी है, जो स्थानीय स्तर पर तंबाकू (खैनी), मक्का, आलू और हल्दी जैसी नकदी फसलों के लिए भारत का सबसे बेहतरीन 'माइक्रो-क्लाइमेट' तैयार करती है। विशेषकर समस्तीपुर का मक्का उत्पादन और उसकी प्रति हेक्टेयर उत्पादकता राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष मानकों को छूती है।

परंतु, इस प्रचुर प्राकृतिक संपदा के साथ समस्तीपुर को प्रत्येक वर्ष एक गंभीर भौगोलिक चुनौती का भी सामना करना पड़ता है। मानसून के दौरान जब बागमती, करह और कमला नदियाँ उफान पर आती हैं, तो कल्याणपुर, वारिसनगर, सिंघिया और बिथान जैसे प्रखंड भीषण बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं। बागमती और बूढ़ी गंडक के निचले इलाकों में होने वाला भारी भू-कटाव (River Bank Erosion) हर साल स्थानीय भूगोल को बदल देता है। लेकिन इस विभीषिका के बीच यहाँ के किसानों की जिजीविषा अद्वितीय है, जो बाढ़ के पानी के उतरते ही ज़मीन पर गाद की नई परत का लाभ उठाकर रबी की फसलों (गेहूं, राई, दलहन) से खेतों को दोबारा सोने की तरह चमका देते हैं।

अंततः, समस्तीपुर का यह प्रथम भौगोलिक अंक यह स्पष्ट करता है कि यहाँ का भूगोल प्रकृति की अपार उदारता और जलीय चुनौतियों का एक जीवंत कोलाज है। बूढ़ी गंडक के शांत किनारों से लेकर बिथान के विस्तृत बाढ़-कछारों तक, और पूसा के वैज्ञानिक कृषि-फार्मों से लेकर गंगा-गंडक के मैदानी छोर तक—यह जिला बिहार के कृषि भूगोल की रीढ़ है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए समस्तीपुर के इस नदी-तंत्र, विशिष्ट सॉइल-प्रोफाइल (Soil Profile) और चौर पारिस्थितिकी तंत्र का यह प्रामाणिक अध्ययन संपूर्ण उत्तर बिहार की कृषि-अर्थव्यवस्था और आपदा प्रबंधन के ढांचे को समझने की एक अचूक और व्यावहारिक दृष्टि प्रदान करता है।

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱 -9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org